सत्र 2024–25

Two Year

Advance Diploma in Performing Art-Tabla (A.D.P.A.)

Regular

S.No.	Paper Description	Maximum	Minimum
01.	Theory		
	Paper- I	100	33
	Paper-II	100	33
02.	Practical – I Demonstration & Viva	100	33
	Practical-II Stage Performance	100	33
	Grand Total	400	132

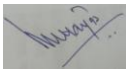

सत्र 2024—25

एडवांस डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट

तबला

प्रथम प्रश्नपत्र

समय : 3 घंटे

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

इकाईः—1

1. भारतीय वाद्यों के वर्गीकरण का विस्तृत अध्ययन।
2. अवनद्ध वाद्यों की उत्पति व विकास का ऐतिहासिक अध्ययन।

इकाईः—2

1. पं. पलुस्कर ताल पद्धति का अध्ययन व पाठ्यक्रम के तालों को पं. पलुस्कर ताल लिपि में लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
2. मार्गी एवं देशी ताल पद्धाति का विस्तृत अध्ययन।

इकाईः—3

1. तबले के घरानों की जानकारी तथा घरानों की वादन शैली की विशेषताऐं।
2. ताल के दस प्राण का विस्तृत अध्ययन।

इकाईः—4

1. गायन, वादन, नृत्य के साथ तबला संगति के सिद्वान्त।
2. कायदे एवं रेले के रचना सिद्वान्त व प्रस्तार नियम।

इकाईः—5

1. निम्नलिखित घन एवं अवनद्ध वाद्यों का सचित्र वर्णन।
    1. घंटा, कांस्यताल, चिपली,,जयघंटा, मंजीरा, झांझ।
    2. पखावज, खोल, ढोलक, खंजरी, डफ, नाल।

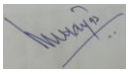

सत्र 2024–25

एडवांस डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट

तबला

द्वितीय प्रश्नपत्र

समयः– 3 घंटे

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

इकाईः–1

1. पाश्चात्य ताल लिपि का सामान्य ज्ञान।
2. कर्नाटक तालिपि पद्धति का अध्ययन।

इकाईः–2

1. त्रिताल, एकताल, झपताल, रूपक, आड़ाचौताल, चौताल, सूलताल, झूमरा, तिलवाड़ा को पौनगुन (3/4), सवागुन (5/4), डेढ़ गुन (3/2) तथा पौने दो गुन (7/4) लयकारी में लिखने का अभ्यास।
2. किसी ताल के ठेके को अन्य तालों में सम से सम तक समायोजित कर लिखने का अभ्यास।

इकाईः–3

1. दिये गये बोलों के आधार पर कायदा, रेला, परन, टुकड़ा,तिहाई की रचना कर तालिपि में लिखने का अभ्यास।
2. पाठ्यक्रम के तालों में सिखाई गयी बंदिशों को तालिपि में लिखना।

इकाईः–4

1. समान मात्रिक तालों का तुलनात्मक अध्ययन।

   तीव्रा–रूपक, एकताल–चौताल, झपताल–सूलताल, आड़ाचौताल–धमार।
2. उत्तर भारतीय ताल पद्धाति का अध्ययन तथा प्राचीन एवं वर्तमान ताल पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाईः–5

1. निम्नलिखित तबला वादकों का जीवन परिचय व वादन की विशेषताएँ :–

   पं. कंठे महाराज, पं. सामता प्रसाद, उस्ताद मसीत खॉ, उस्ताद करामतउल्ला खॉ, उस्ताद मुनीर खॉ, पं. किशन महाराज, उस्ताद हबीबुद्दीन खॉ, उस्ताद जाकिर हुसैन।
2. निम्नलिखित शास्त्रकारों तथा उनके ग्रंथों का सामान्य परिचय।
   स्वाति, भरत, मतंग, शारंगदेव, व्यंकटमखी, महाराणा कुम्भा, सवाई प्रताप सिंह।

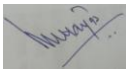

सत्र 2024–25

एडवांस डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट

तबला

प्रायोगिक

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

1. पिछले पाठ्यक्रम में सीखे गये तालों त्रिताल, झपताल, रूपक के अतिरिक्त एकताल में पेशकार, कायदे, रेला, टुकडे, चक्रदार, फरमाईशी, चक्रदार व परन का लहरे साथ स्वतंत्र वादन।
2. ठेके के माध्यम से लयकारी का प्रदर्शन। (कुआड़, आड़)
3. विभिन्न घरानों की बंदिशों को पढ़ने व बजाने का अभ्यास।
4. त्रिताल, एकताल, तिलवाड़ा, झूमरा, आड़ाचौताल, दीपचंदी, चौताल व धमार तालों के ठेके संगत की दृष्टि से उपयुक्त लयों में बजाने का अभ्यास।
5. सुगम संगीत में प्रयुक्त तालों के ठेके तथा लग्गी, लड़ी, तिहाई बजाने का अभ्यास।

मंच प्रदर्शन

विषयः–तबला

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

1. आमंत्रित श्रेताओं के समक्ष तबला स्वतंत्र वादन का प्रदर्शन।
   (अ) त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल, में से किन्ही दो तालों में न्यूनतम 15 मिनिट एकल वादन।
   (ब) गायन/वादन के साथ तबला संगति का प्रदर्शन।

:संदर्भ सूचीः

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 व 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल परिचय भाग 1 व 2 – श्री गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव
4. ताल वाद्य शास्त्र – डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे